

प्रेषक,

एस0एस0 वल्लिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 26 अक्टूबर, 2012

विषय:- वित्तीय वर्ष 2012-13 हेतु आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं के मदों में अवशेष धनराशि के आवंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1480/सं0नि0उ0/दो-3/2012-13 दिनांक 28 अगस्त, 2012, शासनादेश संख्या-255/VI-2/2012-71(17)2011 दिनांक 24 अप्रैल, 2012 तथा शासनादेश संख्या-413/VI-2/2012-71(17)2011 दिनांक 25 जुलाई, 2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि, वित्तीय वर्ष 2012-13 में संस्कृति विभाग के विभिन्न योजनाओं के मदों हेतु अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में ₹ 156.67 लाख (एक करोड़ छप्पन लाख सठसठ हजार) मात्र की धनराशि आपके निवर्तन पर रखे जाने एवं निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(1) 2205-कला एवं संस्कृति-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-सांस्कृति कार्य निदेशालय-00

आयोजनागत

मानक मद का नाम	वित्तीय वर्ष 2012-13 हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष बजट का आवंटन
42- अन्य व्यय	50.00 लाख
योग	50.00 लाख

(2) 2205-कला एवं संस्कृति-00-102-कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन-

आयोजनागत

मानक मद का नाम	वित्तीय वर्ष 2012-13 हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष बजट का आवंटन
03-स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान-00 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	6.67

08-रंगमण्डल स्थापना-00 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	10.00
09-वृद्ध कलाकारों, लेखकों को मासिक पेंशन-00 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	33.33
35-मेला समितियों को पारम्परिक एवं अन्य मेलों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता-00 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	33.33
36-संस्कृति के विभिन्न आयामों का आडियो एवं वीडियो अभिलेखीकरण -00 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	6.67
37- स्पर्श गंगा कार्यक्रम का आयोजन-00 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	16.67
योग-	106.67
महायोग	156.67

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त योजनाओं में धनराशि का आहरण/व्यय संगत योजना के दिशा-निर्देशों/ सुसंगत नियमों एवं शासनादेशों के आलोक में नियमानुसार मितव्ययता को ध्यान में रखकर मासिक व्यय की सारिणी बनाते हुए वित्त विभाग के शासनादेश सं०-193/XXVII(1)/2012 दिनांक 30 मार्च, 2012, के आलोक में किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। इसके अतिरिक्त शासनादेश संख्या-321/XXVII(1)/ 2012 दिनांक 19 जून, 2012 में निहित शर्तों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

3- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप



(9)

से भेजे।

- 4- व्यय बजट एवं परिव्यय की सीमान्तर्गत रहते हुए ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11, 2205-कला एवं संस्कृति-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-सांस्कृति कार्य निदेशालय-00 तथा लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-102-कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन-00-उपरोक्त तालिका में अंकित मानक मदों के आयोजनागत पक्ष के नामे डाला जायेगा।

भवदीय,

(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव।

पृष्ठांकन संख्या-482 / VI-2 / 2012-71(17)2011 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव।